(3) शाब्दिक एवं भाषायी दुर्व्यवहार :-

यौगिक दुर्व्यवहारों को सबसे अधिक जिस रूप में पाया जाता है वह है - शाब्दिक तथा भाषायी दुर्व्यवहार। अवांछित तत्वों द्वारा विद्यालयों, कालेजों तथा सार्वजनिक स्थलों पर गाली-गलौज, अभद्र भाषा का प्रयोग मौखिक और लिखित रूप से किया जाता है। जिससे बालिकाओं तथा स्त्रियों को अपमान का घूंट पीना पड़ता है। शाब्दिक एवं भाषायी दुर्व्यवहार की पहचान के लिए निम्नांकित बिन्दुओं का वर्णन किया जा रहा है

1. लिंगीय टिप्पणी करना।
2. प्रत्येक बात पर लड़की होने का उलाहना देना
3. धार्मिक तथा सांस्कृतिक कृत्यों के सम्पादन के समय लड़की को उसके लड़की होने के कारण विमुख कर देने वाले शब्दों को कहना।
4. अन्य लोगों से तुलना करते समय भी भाषायी भेद-भाव का प्रयोग किया जाता है।
5. लड़कियों को नीचा दिखाने के लिए प्रयुक्त की गयी शब्दावली।
6. लड़कियों को उनकी कमजोरी तथा अपनी श्रेष्ठता बताने, उनके भरण-पोषण का दायित्व निभाने वाले शब्दों के प्रयोग द्वारा
7. लड़कियों के पहनावे, अंगों इत्यादि के विषय में टिप्पणी।
8. चारित्रिक टिप्पणी करना।

Important Calls ✓ Things to Do ✓ Meetings ✓

(4) सामाजिक दुर्व्यवहार :- सामाजिक दुर्व्यवहार के अन्तर्गत स्त्रियों को समाज में पुरुषों की अपेक्षा कमजोर और हीनभावना का शिकार हो जाती है।

सामाजिक दुर्व्यवहार की पहचान इन रूपों में की जा सकती है।

(1) स्त्रियों की शिक्षा उपेक्षा।
(2) स्त्रियों को सामाजिक कार्यों में
(3) प्रमुखता न देना।
(4) पर्दे के भीतर रहने की बाध्यता।
(5) चुप रहने, मुँह न खोलने और आजीवन अत्याचार सहने की सीख
(6) कम उम्र में विधवा होने के बाद उन्हें हेय दृष्टि से देखना।

(5) आर्थिक दुर्व्यवहार :-

(1) महिलाओं को पैतृक सम्पत्ति में हिस्सा न मिलना और यदि वे लेती भी हैं तो हेय दृष्टि से देखा जाता है।
(2) महिलाओं को चाहे वे दिहाड़ी मजदूर हों या किसी तालिका हों पुरुषों के समान वेतन न मिलना।

(3) आर्थिक निर्णयों को लेने में महिलाओं की उपेक्षा करना।
(4) अपनी कमाई खर्च करने में भी पिता, पति, पुत्र का मुँह देखना।

(6) - धार्मिक दुर्व्यवहार =>
स्त्रियों के साथ धार्मिक क्रिया-कलापों, धार्मिक स्थलों तथा धार्मिक रीति-रिवाजों और क्रिया-कलापों में भेद भाव किया जाता है। पिण्डदान पूजा अन्तिम संस्कार इत्यादि।
धार्मिक दुर्व्यवहार की पहचान इस प्रकार की जा सकती है -
(1) धार्मिक स्थलों पर भेद-भाव।
(2) धार्मिक क्रियाकलापों में पुरुषों की प्रधानता
(3) धार्मिक क्रियाओं तथा धर्म को मानने की स्वतंत्रता न होना।
(4) पिता या पति के धर्म को मानने की बाध्यता

(7) सांस्कृतिक दुर्व्यवहार =>
स्त्रियों को भारतीय संस्कृति में पुरुषों के समान महत्व नहीं दिया जाता है।

यहाँ की संस्कृति पुरुष प्रधान रही है
सांस्कृतिक दुर्व्यवहार की पहचान निम्न प्रकार की जा सकती है

(1) सांस्कृतिक संरक्षण तथा हस्तान्तरण में उनकी भूमिका स्वीकार न करना।
(2) सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रमुखता न देना।
(3) सांस्कृतिक संकुचन के कारण भी स्त्रियों के साथ दुर्व्यवहार की घटनायें सामने आती हैं।

(4) राजनैतिक दुर्व्यवहार → स्त्रियों को राजनैतिक के क्षेत्र में भी भेदभावपूर्ण व्यवहार का सामना करना पड़ता है जिससे उनकी छवि धूमिल किया जाता है।
राजनैतिक दुर्व्यवहार की पहचान निम्न प्रकार की जा सकती है

(1) राजनीति में आना स्त्रियों को हेय समझा जाना।
(2) राजनीति में स्त्रियों के साथ शोषण तथा अत्याचार
(3) राजनैतिक गठजोड़ में स्त्रियों का प्रयोग करना
(4) राजनैतिक उन्नति के बहाने स्त्रियों के साथ अभद्र व्यवहार।
(5) राजनीति में आने वाली स्त्रियों को चारित्रिक रूप से कमजोर आंकना तथा उनकी छवि धूमिल करने का प्रयास करना।
(6) बड़ी-2 बातें करना महिला सशक्तीकरण का लेकिन टिकट न प्रदान करना

18 Sunday
Important Calls
Things to Do
Meetings